शिक्षाशास्त्र

(कक्षा–11)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड-क

(शिक्षाशास्त्र के सिद्धान्त एवं आधुनिक शैक्षिक विकास)

3. स्थानीय संस्थायें एवं राज्य।

4 शिक्षा प्रणालियां-मांटेसरी प्रणाली, डाल्टन प्रणाली, प्रोजेक्ट।

खण्ड-ख (शिक्षा मनोविज्ञान)

3 व्यक्तिगत भेद-शारीरिक

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

36-शिक्षाशास्त्र- कक्षा-11

100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक -33

खण्ड-क **अंक 50**

(शिक्षाशास्त्र के सिद्धान्त एवं आधुनिक शैक्षिक विकास)

1 प्रस्तावना—शिक्षा का अर्थ प्रचलित एवं वैज्ञानिक शिक्षा का महत्व, आवश्यकता एवं उपयोगिता, शिक्षा का स्वरूप-औपचारिक एवं अनौपचारिक। 15 अंक

2 शिक्षा के उद्देश्य (क) व्यक्तिगत एवं सामाजिक, (ख) व्यावसायिक, हमारे देश की वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ में शिक्षा के उद्देश्य। 10 अंक

3 शिक्षा के अभिकरण शिक्षा अधिकारियों का वर्गीकरण, गृह, परिवार, विद्यालय, समुदाय,। 15 अंक

4 शिक्षा प्रणालियां- किण्डरगार्डेन प्रणाली, प्रोजेक्ट प्रणाली, बेसिक शिक्षा। 10 अंक

खण्ड-ख (शिक्षा मनोविज्ञान) **50 अंक**

1 शिक्षा मनोविज्ञान (क) अर्थ एवं क्षेत्र, (ख) उपयोगिता एवं महत्व। 20 अंक

2 बालक की वृद्धि तथा विकास (क) प्रारम्भिक बाल्यकाल-शारीरिक एवं मानसिक विकास, भाषा का विकास एवं सामाजिक विकास, 20 अंक
(ख) पूर्व किशोरावस्था एवं किशोरावस्था की अवस्थायें, शारीरिक एवं मानसिक विकास, सामाजिक विकास।

3 मानसिक एवं व्यक्तिगत भेद। 10 अंक

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गई है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापकों के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

37-ग्रन्थ शिल्प- कक्षा-11

लिखित परीक्षा में एक प्रश्न-पत्र 70 अंक एवं तीन घण्टे की अवधि का होगा। इसके अतिरिक्त 30 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा चार घण्टे की अवधि में एक दिन में सम्पन्न होगी। प्रयोगात्मक परीक्षा में मौखिक परीक्षा भी सम्मिलित रहेगी। उत्तीर्ण होने के लिये लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षा में कम से कम 23+10=33 अंक होने चाहिये।

इकाई–1 14 अंक

(क) कागज बनाने का इतिहास निर्माण (कुटीर उद्योग पद्धति), कच्चा सामान के उद्गम एवं उनके बाजार कच्चे माल से लुग्दी बनाते समय गंदगी एवं प्रदूषण से होने वाला प्रभाव एवं उनके बचाव के उपाय। भारत में मशीन द्वारा कागज बनाने के विभिन्न केन्द्र। कागज और दफ्ती की आधुनिक नाप प्रणाली जैसे ए शून्य, पवन आदि का परिचय।

(ख) टाइप के विभिन्न अंग, टाइप के विभिन्न नाप, टाइप केस तथा उसकी व्यवस्था, टाइप का वितरण, प्रूफ सुधारना तथा उनके संकेत।

इकाई–2 14 अंक

(क) प्रयोग में आने वाली विभिन्न सामग्रीकागज (सादा एवं डिजाइनदार), दफ्ती, जिल्द बन्दी का कपड़ा (सादा एवं डिजाइनर), फीता आइलेट्स, प्रेस बटन आदि। नाप, उनकी वजन रंगों आदि सहित उनका सही विवरण एवं उनके संग्रह की विधियाँ। लेई, सरेस एवं चिपकाने के आधुनिक पदार्थ।

(ख) सरेस, लेई आदि तैयार करना एवं उनसे उत्पन्न होने वाली दुर्गन्ध से बचाव।

इकाई–3 14 अंक

1 यंत्र संरक्षण तथा उसके उचित प्रयोग एवं रख-रखाव

(क) फोल्डर, कैंची, चाकू, पटरी, बैकिंग हैमर, काटने की आरी, पंच, आईलेट लगाने का यंत्र, बटन लगाने के यंत्र आदि।

(ख) दफ्ती काटने का यंत्र, निपिंग प्रेस, स्टैन्डिंग ऐण्ड लाइन प्रेस।

2 जिल्दसाजीव्यापारिक विधि एवं लैमिनेशन कार्य।

इकाई-4 14 अंक

1 प्रयोगार्थ सामग्री विभिन्न प्रकार के लिखने तथा आवरण पृष्ठ के कागज।

2 लेटर प्रेस, लीथो, ऑफसेट व स्क्रीन प्रिन्टिंग की छपाई।

इकाई-5 14 अंक

1 निगेटिव बनाने की विधियां, धातु की प्लेट पर मुद्रण सतह बनाना। कैमरे का सिद्धान्त, हाफटोन एवं तिरंगी छपाई का सिद्धान्त। ब्लॉक बनाने में रासायनिक पदार्थों के प्रयोग करते समय होने वाले प्रदूषण का निवारण।

प्रयोगात्मक 30 अंक

(1) सत्र कार्य

(अ) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक मॉडल बनाने का विवरण तैयार करना आवश्यक है। विवरण विषय अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा अवलोकित होगा और प्रयोगात्मक परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। इसके लिये प्रधान परीक्षक द्वारा अंक निर्धारित किये जायेंगे।

(ब) बनाये जाने वाले मॉडलों की सूची का चार्ट बनाया जाय और कक्षाओं में टांगा जाय।

(स) प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा विषय से सम्बन्धित एक चार्ट भी तैयार करना आवश्यक है।

(2) मौखिक परीक्षा

परीक्षक द्वारा कम से कम तीन प्रश्न प्रत्येक विद्यार्थी से पूछे जायेंगे। इसके लिये सभी अंक प्रधान परीक्षक द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

प्रयोगात्मक कार्य के लिये

1 सरल तथा क्रमवत् अभ्यास विभिन्न आकारों के लिफाफे, राइटिंग पैड, पोर्टफोलियो, पत्रिकाओं के कवर, एक जुज का नोट बुक जिसका कवर सादा व दफ्ती लगा हो। कलेण्डर, एलबम, खुली हुयी फाइल, केस बनाना।

2 पुस्तक की मरम्मत करना जिसकी सिलाई केसिंग से ठीक हो।

3 पृष्ठ बनवाने के लिये कागज की सीटों को सरल विधियों से मोड़ना।

4 एक सस्ती पुस्तक जिल्दसाजी टोप की सिलाई द्वारा करना तथा उसकी केस बाइन्डिंग करना। उस पुस्तक के ऊपर और नीचे रक्षक कागज लगाना, यह बाइन्डिंग निम्नलिखित क्रियाओं को करते हुये की जाये।

(1) पुरानी पुस्तक का एक-एक जुज अलग करना।

(2) फटे हुये जुजों को साफ करना तथा मरम्मत करना, फटे हुये कागजों को सुधारना।

(3) रक्षक कागजों को बनाना।

(4) टेप सिलाई करना।

(5) पीठ पर सरेस लगाना। उसके किनारे काटना, पीठ को गोल करना, ऊपर नीचे काटकर बराबर करना।

(6) केस का बनाना।

(7) केस का पुस्तक पर चिपकाना।

टिप्पणी

(1) प्रत्येक सत्र में प्रत्येक परीक्षार्थियों द्वारा कम से कम दस मॉडल अवश्य बनाये जायें और इसके अतिरिक्त प्रत्येक को कम से कम दो उच्च कोटि के सुन्दर मॉडल अपनी इच्छानुसार बनाये जायें।

(2) सभी मॉडलों पर सजावट का कार्य स्वयं किया जाये।

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।